हरिभूमि

हिसार-हांसी भूमि

रोहतक, सोमवार 2 मार्च 2026

9 वैज्ञानिक दृष्टिकोण व तार्किक चिंतन का विकास...

10 पंच परिवर्तन से भारत बनेगा विश्वगुरु : डॉ. प्रताप

खबर संक्षेप

नगर निगम हाउस की बैठक आज से

हिसार। नगर निगम की हाउस बैठक 2 व 3 मार्च को निगम सभागार में होगी। बैठक की अध्यक्षता मेयर प्रवीण पोपली करेंगे जबकि संचालन निगम आयुक्त नीरज करेंगे। बैठक में चुने गए 20 पार्षदों के अलावा 3 मनोनीत पार्षदों ने भी अपने-अपने वार्डों से संबंधित मांगे व समस्याएं रखी हैं, जिन पर विचार होगा। निगम प्रशासन ने बैठक की तैयारियां पूर्ण कर ली है। सभी 23 पार्षदों द्वारा एजेंडों के माध्यम से लगभग 750 मांगे व समस्याएं रखी गई है। इसके अलावा मेयर की अनुमति से अन्य मांगे व समस्याएं भी रखी जा सकती है। बैठक को देखते हुए पार्षदों से पिछले दिनों एजेंडे मांगे गए थे।

बीड़ बबरान धाम के लिए पैदल निशान यात्रा आज

हिसार। श्री श्याम पैदल निशान यात्रा आज निकाली जाएगी। यह यात्रा प्रातः 7:15 बजे इच्छापूर्ण हनुमान मंदिर, नलका चौक से विधिवत पूजा-अर्चना के बाद बीड़ बबरान धाम के लिए रवाना होगी। यात्रा का आयोजन पंडित मनोज मोहन गौड़ के सानिध्य में किया जा रहा है। श्री श्याम निशान मंदिर में ही उपलब्ध रहेगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए पानी, चाय-नाश्ता एवं भोजन प्रसाद की निशुल्क व्यवस्था की जाएगी। यात्रा को सफल बनाने में सुनील रावत, रतन सैनी, रामनिवास शर्मा, धर्मवीर शर्मा, राम कसाणा, राजू हलवाई, सतवीर गुर्जर व मा. रामसाद सहित अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहेगा।

शिविर में 57 युवाओं ने किया रक्तदान

आदमपुर। कालेज रोड स्थित जीत भदरेचा फर्नीचर हाउस मंडी आदमपुर पर रक्तदान शिविर लगाया गया। शहीद भगत सिंह युवा मंडल के तत्वाधान में लगाए गए इस शिविर में 57 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंडी आदमपुर थाना अध्यक्ष विकास कुमार ने किया। कार्यक्रम में रक्तदाताओं को थाना अध्यक्ष विकास कुमार ने संबोधित किया। रक्तदान शिविर में शनि मानव सेवा ट्रस्ट के प्रवीण गोयल लोक निर्माण के अध्यक्ष एनजीओ विनोद राठौड़ आदि मौजूद रहे।

ज्ञापन देकर राज्यसभा में मांगा प्रतिनिधित्व

हिसार। डीएससी समाज ने कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रधान रतन बड़गुज्जर के नेतृत्व में कांग्रेस सांसद जयप्रकाश को ज्ञापन सौंपा। डीएससी समाज को राज्यसभा में प्रतिनिधित्व देने की मांग की है। सांसद जयप्रकाश को सौंपे ज्ञापन में रतन बडगुजर ने कहा कि हरियाणा में अनुसूचित जाति वर्ग की संख्या प्रदेश की कुल आबादी का 22.50 प्रतिशत है। उसमें अनुसूचित जाति की आबादी करीब 10.50 प्रतिशत व डीएससी वंचित वर्ग की आबादी करीब 12 प्रतिशत है। इस मौके पर प्रधान रतन बड़गुज्जर, सोनू वाल्मीकि, राजेश मुंडई प्रदेश उपाध्यक्ष ओड समाज आदि थे।

काजला खाप के राष्ट्रीय सम्मेलन में सामाजिक मुद्दों पर हुआ मंथन

समगोत्र-समगांव विवाह, नशा मृत्युभोज, हर्ष फायरिंग पर रोक

कई राज्यों से आए खाप प्रतिनिधियों ने लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

शहर की जाट धर्मशाला में आयोजित काजला खाप के राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों व सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर मंथन हुआ और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का आह्वान किया गया। इसके साथ ही गैर जिम्मेदाराना बयान के लिए विधायक रामकुमार गौतम के खिलाफ प्रदर्शन करके काजला खाप ने रोष जताया। इस दौरान श्रेष्ठ कार्य करने वाले युवाओं को काजला गौरव सम्मान से अलंकृत भी किया गया। सम्मेलन में हरियाणा के विभिन्न गांवों, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली व उत्तरप्रदेश में काजला खाप से जुड़े लोगों की भरपूर सहभागिता रही।

काजला खाप के राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रीय संरक्षक धर्मबीर काजला व राष्ट्रीय अध्यक्ष के. रामपाल काजला मुख्य वक्ता रहे। इस दौरान राष्ट्रीय सलाहकार राजमल काजल, राष्ट्रीय प्रवक्ता महेंद्र सिंह काजला व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मांगेराम काजला सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल काजला ने कहा कि नशे रूपी बुराई युवाओं को बर्बाद कर रही है। नशे की लत का शिकार होकर युवा दिशाहीन होकर गलत कार्यों की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी को एकजुट होकर नशे के खिलाफ लड़ना होगा और युवाओं का मार्गदर्शन करना होगा। इसके लिए काजला खाप द्वारा नशे के खिलाफ मुहिम भी चलाई जाएगी। सम्मेलन में काजला खाप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजयपाल काजला, मानसिंह काजला, सतविंद्र सिंह काजला व रामस्वरूप काजला एवं हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष राजवीर काजला, राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष परमिंद्र काजला, उत्तर प्रदेश प्रदेशाध्यक्ष सचिन चौधरी व दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण काजला सहित काफी संख्या में पदाधिकारी व सदस्यगण मौजूद रहे।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सलाहकार राजमल काजल ने स्पष्ट किया गया कि राष्ट्रीय काजला खाप सामाजिक सरोकारों के लिए प्रतिबद्ध है। दहेज प्रथा का जड़ मूल से सफाया, कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ जागरूकता एवं जातिवाद को समाप्त करना चाहिए। इसके साथ ही रक्तदान, नेत्रदान, देहदान, सफाई अभियान व पौधारोपण को बढ़ावा देना चाहिए। समगौत्र व समगांव में विवाह सख्ती से प्रतिबंधित होना चाहिए।

हिसार। काजला खाप के राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित पदाधिकारी व सदस्यगण।

ट्रेड डील में किसानों के हित सुरक्षित रखने की मांग

राष्ट्रीय सम्मेलन में भाईचारा मजबूत करते हुए अमेरिका के साथ ट्रेड समझौते में किसानों के हित सुरक्षित रखने बारे केंद्र सरकार से मांग की गई। इसके साथ ही एचपीएससी चेयरमैन के पद पर हरियाणा निवासी की नियुक्ति की भी मांग रखी गई। जाट समुदाय के खिलाफ अपमानजनक बयानबाजी के लिए विधायक रामकुमार गौतम के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित करते हुए प्रदर्शन भी किया गया। मृत्युभोज, विभिन्न समारोह में होने वाली हर्ष फायरिंग एवं समगौत्र व समगांव विवाह पर पाबंदी लगाने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। इनके साथ ही कन्या भ्रूण हत्या रोकने व अश्लील विज्ञापनों पर रोक लगाने के संदर्भ में प्रभावी कदम उठाने पर भी मंथन किया गया। श्रेष्ठ कार्य करने वाले युवाओं को इस सम्मेलन में काजला गौरव सम्मान, पटका व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार और कैंटर की टक्कर में बाढड़ा के किसान की मौत

- बाढड़ा से पत्नी का ऑपरेशन करवाने आया था हांसी
- खाना खाने निकला तो टायर फटने पर कैंटर से टकराई गाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हांसी-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हांसी में हुए सड़क हादसे में चरखी दादरी जिले के बाढ़डा निवासी 45 वर्षीय किसान युद्धवीर की मौत हो गई। वह अपनी पत्नी का ऑपरेशन करवाने के लिए हांसी आए हुए थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मृतक के बेटे नवीन के बयान पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप मामले की जांच आरंभ कर दी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बाढ़डा के आर्य नगर निवासी युद्धवीर अपनी पत्नी का हांसी के निजी अस्पताल में ऑपरेशन करवाने के हांसी आया और पत्नी का ऑपरेशन होने के बाद वह शनिवार देर रात को खाना खाने के लिए अस्पताल से निकले थे। शहर के अधिकांश होटल बंद होने के कारण युद्धवीर हांसी-दिल्ली हाइवे स्थित पैराडाइज होटल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी कार का एक टायर अचानक फट गया, जिससे वह अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे एक कैंटर से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए तथा युद्धवीर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने घायल युद्धवीर को कार से निकाल उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के चचेरे भाई महिपाल ने बताया कि युद्धवीर खेतीबाड़ी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके दो बच्चे हैं। युद्धवीर की पत्नी का ऑपरेशन सफल होने के बाद जहां परिवार ने राहत महसूस की थी, लेकिन कुछ ही घंटों बाद यह दर्दनाक हादसा हो गया और परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा।

पार्टी के दौरान हुए झगड़े की रंजिश में रॉड मारकर तोड़ी बाजू, केस दर्ज

- तीन नामजद सहित कई पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

शहर के आईटीआई चौक के पास पार्टी के दौरान हुए झगड़े में युवकों ने एक व्यक्ति पर रॉड से हमला कर दिया, जिससे उसका बाजू टूट गई। यही नहीं, हमलावरों ने बाद में टाउन पार्क के पास ऑटो रुकवाकर दोबारा मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घायल को नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने पवन उर्फ बब्बन, सन्नी और काकी सहित 7-8 अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में कैमरी निवासी कृष्ण कुमार ने बताया कि गत दिवस शाम के समय वह अपने दोस्त सूर्य नगर निवासी विशाल व कैमरी निवासी बिजेंद्र के साथ आईटीआई चौक पर बैठकर पार्टी कर रहा था। इसी दौरान गांव का पवन उर्फ बब्बन, सन्नी, काकी और 7-8 अन्य युवक 3-4 बाइकों पर सवार होकर वहां पहुंचे। बातचीत के दौरान कहासुनी हो गई, जिसके बाद आरोपियों ने रॉड से हमला कर दिया।

पवन उर्फ बब्बन और सन्नी ने उसके दाहिनी बाजू पर वार किए, जिससे फ्रेक्चर हो गया। बीच-बचाव करने आए विशाल और बिजेंद्र को भी चोटें लगी। शिकायतकर्ता ने बताया कि घायल होने के बाद वे ऑटो में सिविल अस्पताल जा रहे थे तो आरोपियों ने टाउन पार्क के पास ऑटो रुकवाकर दोबारा मारपीट की। मौके पर लोग एकत्र होने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। झगड़े के दौरान विशाल का मोबाइल टूट गया, जबकि बिजेंद्र का मोबाइल गायब हो गया।

होली पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध, चेकिंग-गश्त बढ़ाई

- होली की आड़ में हुड़दंग करने वाले मनचलों से सख्ती से निपटने के लिए एसपी ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हर वर्ष की भांति से इस वर्ष भी पूरे भारतवर्ष में 2 व 4 मार्च को होली व फाग का त्यौहार श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया जाएगा। होली पर्व एक दूसरे को रंग गुलाल लगाया जाता है वहीं कुछ व्यक्ति एक-दूसरे पर पानी भी डालते हैं लेकिन कुछ असमाजिक तत्व पुरानी रंजिश या छोटे मोटे झगड़े को बड़ा रूप दे देते है।

ऐसी परिस्थितियों को मध्येनजर रखते हुए पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए होली व फाग के पर्व पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने के आदेश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने जिला भर में कानून एवं शांति व्यवस्था व साम्प्रदायिक सदभावना बनाये रखने, नागरिकों की जान व माल की रक्षा, यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से सुव्यस्थित करने व किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटने के लिए सभी पर्यवेक्षक अधिकारियों, थाना प्रभारियों, एवं चौकी इंचार्जों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में हुडदंग करने वाले मनचलों से सख्ती से निपटने के आदेश दिए हैं। इसके अतिरिक्त इस दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वालों कों किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा तथा महिलाओं की सुरक्षा हेतु विशेष महिला पुलिस दस्ता भी गश्त पर रहेगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया है कि पुलिस का खुफिया तंत्र भी सादी वर्दी में भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों पर नजर रखेगा। वहीं यातायात को व्यवस्थित रूप से चलाने के लिए मुख्य चैराहों पर विषेश पुलिस दस्ते तैनात रहेगें सभी पीसीआर एवं राइडर को निर्देश दिए गए है कि पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से जहां भी अव्यवस्था की सूचना प्राप्त होगी तुरंत मौके पर जाकर स्थिति से निपटेंगे।

बाइक से पटाखे बजाने वालों की खैर नहीं

बाइक के सेलेंसर से पटाखों जैसी आवाज निकालने वाली की बाइक को तुरंत जब्त करके उनके विरुद्ध नियमानुसार कारवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि होली व फाग के मद्देनजर हांसी जिले में उमरा गेट, सिसाय पुल, मुल्तान चौक, काली देवी चौक, बड़सी गेट, हिसार चुंगी, खरड़ चुंगी, जींद रोड नाका तथा सदर थाना के अंतर्गत आने वाले बरवाला रोड भाटला, शेखपुरा व नारनौंद थाना के अंतर्गत पुराना बस स्टैंड नारनौद, खेड़ी चौपटा चौक, राजथल नाका, बस स्टैंड मिर्चपुर तथा बास थाना के अंतर्गत आने वाले जींद भिवानी रोड बालाजी के मंदिर के पास तथा पीपला पुल पर पुलिस द्वारा नाकाबंदी कर प्रभावी चेकिंग की जाएगी।

बिना वैरभाव के मनाएं त्योहार

पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने जिले के सभी नागरिकों को होली एवं फाग की बधाई देते हुए कहा है कि इस त्योहार पर अपने पुराने गिले-शिकवे दूर करके बिना किसी भेदभाव और वैर विरोध के पावन पर्व का आनंद लें। गुलाल और फूलों की होली खेलें। और कानून व्यवस्था की पालना करते हुए हरसंभव पुलिस का सहयोग करें, तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति में डायल 112 व पुलिस को तुरंत सूचित करे।

किसान की कर्ज मुक्ति तक देश तरक्की संभव नहीं: डल्लेवाल

- नारनौंद में किसान जागृति यात्रा का स्वागत, 19 की दिल्ली रैली में भागीदारी का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

भारतीय किसान यूनियन एकता (सिद्धपुर) की ओर से निकाली जा रही किसान जागृति यात्रा रविवार शाम नारनौंद स्थित दादा देवराज धर्मशाला पहुंची। यात्रा की अगुवाई संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगजीत सिंह डल्लेवाल कर रहे हैं। यात्रा के नारनौंद पहुंचने पर किसानों ने फूल-मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में विश्व जाट महासभा के सदस्यों उपेंद्र डाटा और जोगेंद्र सहित अन्य प्रतिनिधियों ने प्रमुख किसान नेताओं को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। पत्रकारों से बात करते हुए जगजीत सिंह डल्लेवाल ने किसानों की समस्याओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कर्ज के कारण अब तक सात लाख किसान आत्महत्या कर चुके हैं। किसानों की फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम दरों पर खरीदी जाती हैं। उन्होंने कहा कि 25 लाख करोड़ रुपये के कर्ज के कारण किसानों ने आत्महत्या की है। जब तक देश का किसान कर्ज मुक्ति नहीं होगा तो देश तरक्की नहीं कर सकता। केंद्र सरकार ने अमेरिका के साथ जो डील की है उसमें भारत के किसान का अनाज कोई नहीं खरीदेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभिमन्यु कोहाड़, अरुण पटेल (मध्य प्रदेश), सुरेश पाटिल (कर्नाटक), इंद्रजीत (राजस्थान), जिला प्रधान दशरथ मलिक, प्रदेश उपाध्यक्ष बलवान लोहान, जंगी, शीलू, हर्षदीप गिल, सतबीर पेटवाड़, बलवान बैरागी और जगबीर माजरा सहित कई किसान नेता उपस्थित रहे।

नारनौंद। दादा देवराज धर्मशाला में यात्रा का स्वागत करते किसान नेता।

राजनीतिक नहीं यात्रा का उद्देश्य

अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि नारनौंद क्रांतिकारियों की ऐतिहासिक धरती रही है और पिछले किसान आंदोलन में भी इस क्षेत्र का उल्लेखनीय योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि यह किसान जागृति यात्रा पांच फरवरी को कन्याकुमारी से शुरू की गई थी और विभिन्न राज्यों से होते हुए किसानों को जागरूक करने का कार्य कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यात्रा का कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है। इसका मुख्य लक्ष्य किसानों के लिए एमएसपी गारंटी कानून बनवाना, भारत-अमेरिका के बीच हुई किसान व्यापार संधि को रद्द करवाना तथा किसानों के अन्य लंबित मुद्दों के समाधान के लिए जनसमर्थन जुटाना है। उन्होंने किसानों से 19 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली किसान रैली में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। कहा कि बड़ी संख्या में पहुंचकर सरकार को यह संदेश देना जरूरी है कि भारत के किसानों का भविष्य किसी अन्य देश में बैठकर तय नहीं किया जा सकता। किसान नेता अभिमन्यु कोहड़ ने कहा कि पहले भी किसानों को काले कानून लागू करके सरकार ने परेशान करने का काम किया था और अब फिर देश के किसान व मजदूर सहित अन्य लोगों को भी यह डील लागू करके बोझ डालने का काम किया जा रहा है। हम किसी भी सूरत में इस दिल को लागू नहीं होने देंगे इसके लिए किसान एकजुट होकर सरकार को अपनी ताकत दिखाने का काम करेंगे।

मनमाफिक दहेज न मिला तो पत्नी को कहने लगा 'बहन', केस दर्ज

- पुलिस की जांच में आरोप सही मिलने पर हुई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

शादी में मनमाफिक दहेज न मिलने से नाराज एक युवक ने पहली ही रात पत्नी को 'बहन' कहकर संबोधित करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर उसने कथित रूप से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

आजाद नगर थाना में दर्ज शिकायत के अनुसार पीड़िता की शादी 21 मार्च 2025 को गांव कालवास निवासी अजयपाल से हुई थी। परिजनों ने शादी में करीब आठ लाख रुपये खर्च किए और फर्नीचर, सोने-चांदी के आभूषण व घरेलू सामान दिया। इसके बावजूद आरोपी बाइक, नकदी और सोने की चेन की मांग करता रहा।

पीड़िता का आरोप है कि सुहागरात के बाद आरोपी का व्यवहार बदल गया और वह उसे 'बहन' कहकर बुलाने लगा। उसने कहा कि जब तक दहेज की मांग पूरी नहीं होगी, वह उसे पत्नी का दर्जा नहीं देगा।

विरोध करने पर मारपीट की गई। अगस्त 2025 में उसे घर से निकाल दिया गया। पुलिस जांच में पति के खिलाफ आरोप सही पाए गए, जबकि सास व ससुर पर लगे आरोप सही नहीं मिले। इस पर पुलिस ने आरोपी पति पर केस दर्ज कर लिया।

बरवाला में हर्षोल्लास के साथ मनाया होली मिलन समारोह और सांग उत्सव

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने बरवालावासियों के साथ खेली फूलों की होली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बरवाला

बरवाला की पुरानी अनाज मंडी में रविवार को भव्य होली मिलन समारोह एवं सांग उत्सव का आयोजन बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा मुख्य अतिथि रहे। समारोह में भारी संख्या में क्षेत्रवासी, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि एवं पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए।

पारंपरिक ढंग से कार्यक्रम का शुभारंभ होने के पश्चात प्रसिद्ध कलाकार डॉ. सतीश कश्यप एवं उनकी टीम ने हरियाणवी सांग की शानदार प्रस्तुति देकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांग के माध्यम से सामाजिक समरसता, भाईचारे और सांस्कृतिक विरासत का सुंदर संदेश दिया गया। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने सभी क्षेत्रवासियों को होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का पर्व है, जो समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से सामाजिक एकता को मजबूती मिलती है और हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर पार्टी जिलाध्यक्ष आशा खेदड़ ने भी उपस्थित जनों को होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मंत्री रणबीर गंगवा ने हजारों की संख्या में उपस्थित बरवाला वासियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ फूलों की होली खेली। पूरे परिसर में ड्रोन व जेसीबी मशीनों से फूलों की वर्षा के बीच सभी ने एक-दूसरे से पर्व की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा व रणधीर धीरू ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक आयोजन करने का संकल्प लिया।

होली पर हुड़दंग न करना, रंग किसी का भंग न करना...

हिसार। टाउन पार्क में ऋषि सक्सेना की अध्यक्षता में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। मंच का संचालन जयभगवान लाडवाल ने किया जिसमें कृष्ण इंदौरा मुख्य अतिथि रहे। काव्य गोष्ठी के दौरान जयभगवान लाडवाल ने होली पर होली पर हुडदंग न करना, रंग किसी का भंग न करना, बच्चा बूढा रोगी हो तो रंग लगा कर तंग न करना कविता सुनाई। भीम सिंह हुड्डा ने कौन किसी का होता है सब कुछ पैसा होता है कविता सुनाई। मास्टर कृष्ण इंदौरा ने हम पीते रहे वो भी पीते रहे हम बताते रहे वो झलकाते रहे दोनों तरफ से दरिया बहते रहे कविता सुनाई। कलमकार ऋषि सक्सेना ने केसर चंदन का तिलक लगाए फूलों के रंगों अपनाएं सभी मिलकर प्रभु का गुण गाए गुरु की कृपा दृष्टि से नहाए ऐसे होली का उत्सव मनाए कविता सुनाई। नरेश पिंगल ने मौसम खुशनुमा है खुशी की फुव्वारे है, फूल खिले हैं रंग बिरंगे वाह क्या नजारे है होली पर मिलना आप दोस्त जो हमारे है। इस मौके पर पीपी शर्मा, राजेंद्र गुप्ता, शिवकुमार, प्रेम कुमार, आदि ने भी काव्य पाठ किया।

दो पश्चिमी विक्षोभ होंगे सक्रिय 4 तक बदलेगा प्रदेश का मौसम

हिसार। राज्य में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव में मौसम में एक बार फिर परिवर्तन की संभावना है। बदलते मौसम को देखते हुए कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को फसलों की तरफ विशेष ध्यान देने की अपील की है।

मौसम वैज्ञानिको ने संभावना जताई है कि हरियाणा में मौसम आमतौर पर 4 मार्च तक खुश्क परंतु परिवर्तनशील रहेगा। इस दौरान दो पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना है परंतु दोनों ही कमजोर है जिसके कारण बारिश की ज्यादा संभावना नहीं बन रही है। पहला पश्चिमी विक्षोभ जिसके आंशिक प्रभाव से 28 फरवरी व 1 मार्च को राज्य में कहीं कहीं आंशिक बादल तथा हल्की से मध्यम गति से हवाएं चलने की संभावना है। इसी तरह दूसरा पश्चिमी विक्षोभ 3 मार्च रात्रि को आने की संभावना है जिसके आंशिक प्रभाव से 4 मार्च को मौसम परिवर्तनशील रहेगा।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि बदलते मौसम को देखते हुए किसानों को ऐहतियात बरतने की जरूरत है। हालांकि ये दोनों ही पश्चिमी विक्षोभ कमजोर है, जिस कारण बरसात की संभावना नहीं बन रही है। उन्होंने बताया कि इस दौरान बीच बीच में हवाओं में बदलाव आने की संभावना है लेकिन तापमान में ज्यादा बदलाव होने की संभावना नहीं है।

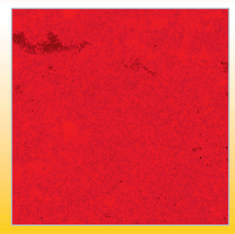

अबीर-गुलाल

अबीर-गुलाल हिंदू परंपरा में होली के त्यौहार और पूजा-पाठ में उपयोग किया जाने वाला एक रंगीन, सुगंधित और सूखा पाउडर है, जो मुख्य रूप से प्राकृतिक चीजों से बनता है। गुलाल आमतौर पर गुलाबी रंग से जुड़ा है, जबकि अबीर सुगंधित पाउडर होता है। इसे होली पर एक-दूसरे पर लगाने और देवताओं को चढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है। परंपरागत रूप से ऑर्गेनिक (100% प्राकृतिक) होता है, हालांकि अब केमिकल वाले विकल्प भी बाजार में हैं।

फागण के उल्लास का नाम है होली-धुलेंडी

होलिका दहन की प्रक्रिया जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही लोक-कला और श्रमसाध्य साधना से ओत-प्रोत भी है। फाल्गुन पूर्णिमा की दहकती अग्नि के शीतल होते ही उसकी राख के साथ उल्लास का एक अध्याय शुरू होता है जिसे दुनिया 'धुलंडी' या 'फाग' के नाम से जानती है। फाग केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक-अनुष्ठान है।

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा में होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह वह संधि-काल है जहां सामाजिक जड़ता का अंत होता है और मानवीय रिश्तों की ऊष्मा का नया अध्याय शुरू होता है। यह महापर्व प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा की उस मंगलकारी तिथि को मनाया जाता है, जब चंद्रमा अपनी पूर्ण सोलह कलाओं के साथ आकाश में उदित होकर धरती पर अमृत की वर्षा करता है और प्रकृति अपने बसंती यौवन के चरम पर होती है।

हरियाणवी लोक-जीवन में इस पावन उत्सव के पीछे वह कालजयी पौराणिक कथा छिपी है, जो युगों-युगों से अधर्म पर धर्म की विजय का उद्घोष कर रही है। यह कथा असुरराज हिरण्यकश्यप और उसके परम विष्णु-भक्त पुत्र प्रहलाद की है। हिरण्यकश्यप ने कठिन तपस्या के बल पर ब्रह्मा जी से 'अजेय' होने का ऐसा अनूठा वरदान पा लिया था, जिसने उसे मृत्यु के भय से मुक्त कर दिया था। वरदान के मद में चूर होकर उसने स्वयं को ही 'भगवान' घोषित कर दिया और अपनी प्रजा को विवश किया कि वे केवल उसी की पूजा करें। नियति का विधान देखिए कि उसके अपने ही महल में प्रहलाद के रूप में एक ऐसे पुत्र ने जन्म लिया, जो जन्म से ही 'नारायण-नारायण' की रट लगाए हुए था। प्रहलाद की यह अनन्य भक्ति हिरण्यकश्यप के अहंकार को सीधी चुनौती थी। पिता ने पुत्र के भीतर की इस दैवीय लौ को बुझाने के लिए क्रूरता की सारी सीमाएं पार की। कभी प्रहलाद को ऊंचे पहाड़ों से नीचे गहरी खाइयों में फिंकवाया गया, कभी मतवाले हाथियों के पैरों तले कुचलवाने का प्रयास हुआ तो कभी कालकोठरी में विषधर सर्पों के बीच छोड़ा गया। किंतु हर बार, उस नन्हे बालक की अडिग श्रद्धा और विश्वास के सामने हिरण्यकश्यप के कुटिल प्रहार निष्फल हो गए। अंततः, जब कोई उपाय न सूझा, तो हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका का सहारा लिया। होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह अग्नि में नहीं जल सकती और उसके पास एक ऐसी चमत्कारी चुनरी थी, जो अग्नि के ताप को सोख लेती थी। फाल्गुन पूर्णिमा के दिन, जब विशाल चिता सजाई गई और होलिका प्रहलाद को अपनी गोद में लेकर उस धधकती अग्नि के बीच जा बैठी, तो एक दैवीय चमत्कार हुआ। वह वरदानी चुनरी होलिका के शरीर से उड़कर बालक प्रहलाद पर जा लिपटी। छल और अधर्म की प्रतीक होलिका उसी क्षण भस्म हो गई, जबकि अखंड विश्वास और सत्य के प्रतीक प्रहलाद अग्नि की लपटों के बीच से मुस्कुराते हुए सुरक्षित बाहर आए।

होलिका दहन की प्रक्रिया जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही लोक-कला और श्रमसाध्य साधना से ओत-प्रोत भी है। पूर्णिमा से कई सप्ताह पूर्व ही गांव के हर घर में 'बड़कुले' बनाने का काम एक पर्व की तरह शुरू हो जाता है। घर की महिलाएं और बच्चे गाय के गोबर से छोटे-छोटे छेद वाले गोल उपले, ढाल, तलवार, सूरज, चांद और कंघी के आकार के खिलौने बड़ी श्रद्धा से बनाते हैं। इन्हें 'बड़कुलों' के साथ मूंज की रस्सी में पिरोकर जो माला तैयार की जाती है, वह वास्तव में हरियाणा के 'पशुधन' और 'कृषि' के प्रति गहरी कृतज्ञता की प्रतीक है। पूजा के दिन हाथों में जल का लोटा, रोली, अक्षत, कच्चा सूत, गुड़ और बड़कुलों की माला लेकर गांव की महिलाएं समूह में पारंपरिक 'जकड़ियां' और मंगल गीत गाती हुई होलिका स्थल पर पहुंचती हैं। इन लोकगीतों में भक्त प्रह्लाद की कथा का वर्णन प्रभावित करता है....

गोदी के अंदर भगत राम राम रह्या टेर
जब तै चरचा सुणी थी हर की, राम नाम की लगी लगन
समझाया था एक न मानी दरसन की थी लगी लगन

होली के लोकगीतों में जनसाधारण का ऐतिहासिक ज्ञान और भक्तिभाव भी दिखाई पड़ता है .....

लिछमन कै बाण लगा रै सक्ती लिछमन कै।
ऐसा रै होय कोई बीरा नै जिवाले,
आधा राज सवाई धरती, लिछमन कै।
कै तो जिवाले सीता रै सतवंती,
कै तो जिवाले हनुमान जती, लिछमन कै।

महिलाएं पूजा करने से पहले कच्चे सूत के धागे से होलिका के सात फेरे लेती हैं, जो सामाजिक और पारिवारिक सुरक्षा कवच के प्रतीक हैं। पूजा के अंत में, वे अपने बनाए हुए 'बड़कुले' उस ढेर पर चढ़ा देती हैं। लोक-मान्यता है कि ये बड़कुले साल भर की 'नजर' और बीमारियों को अपने भीतर सोख लेते हैं और दहन के समय उन्हें सदा के लिए भस्म कर देते हैं। जैसे-जैसे पूर्णिमा की रात गहराती है, हरियाणा की गलियों में हुड़दंग और उल्लास का शोर अपनी सीमाओं को लांघने लगता है। जब गांव के पुरोहित और बड़े-बुजुर्ग शुभ मुहूर्त में अग्नि प्रज्ज्वलित करते हैं, तो पूरा आकाश 'होली मैया की जय' और 'भक्त प्रहलाद की जय' के उद्घोष से गूंज उठता है। इस अग्नि के घेरे में ग्रामीण अपनी नई फसल विशेषकर जौ और गेहूं की अधपकी बालियों को लंबी लकड़ियों में फंसाकर पवित्र ज्वाला में सेंकते हैं, जिसे हरियाणा की ठेठ बोली में 'हौले सेंकना' कहा जाता है। इन भुने हुए दानों को 'प्रसाद' के रूप में एक-दूसरे को बांटना प्रदेश की उस 'साझा संस्कृति' का अनूठा उदाहरण है, जहां अपनी पहली फसल का स्वाद चखने से पहले पूरे गांव का मुंह मीठा कराया जाता है। फाल्गुन पूर्णिमा की दहकती अग्नि के शीतल होते ही उसकी राख के साथ उल्लास का एक अध्याय शुरू होता है जिसे दुनिया 'धुलंडी' या 'फाग' के नाम से जानती है। फाग केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक-अनुष्ठान है, जहां समाज की ऊंच-नीच, उम्र का फासला और हर प्रकार का संकोच हवाओं में उड़ते गुलाल में मिलकर एकाकार हो जाता है। फाग की सबसे विशेष और रोमांचक पहचान है 'कोरड़ा मार होली'। यह परंपरा देवर और भाभी के उस पवित्र और ठिठोली भरे रिश्ते का चरमोत्कर्ष है, जो हरियाणवी लोक-जीवन की आत्मा है। इस दिन महिलाएं किसी शक्ति-पुंज की तरह उभरती हैं। भाभियां अपने दुपट्टों या कपड़ों को पानी में भिगोकर उससे 'कोरड़ा' बनाती हैं। दूसरी ओर, देवर और गांव के पुरुष रंगों और पानी की बौछारों के साथ उन पर धावा बोलते हैं। यह एक ऐसा दृश्य होता है जहां पौरुष का सामना नारी-शक्ति के उस 'कोरड़े' से होता है, जो प्रेम की मार का प्रतीक है। देवर अपने बचाव के लिए बाल्टियां भर-भर के रंग डालते हैं, लेकिन भाभी के कोरड़े की मार को हंसते-हंसते सहन करना ही उस दिन का सबसे बड़ा पौरुष माना जाता है। कुछ स्थानों पर तो यह उल्लास आनंद की पराकाष्ठा को प्राप्त करता है, जब फाग खेलते समय गोबर, कीचड़ और तेल का प्रयोग भी धुलेंडी खेलते समय देवर-भाभियों द्वारा किया जाता है, लेकिन मनों में थोड़ा-सा भी दुराव नहीं होता। वास्तव में अगर सालभर में किसी के मन में किसी के प्रति कोई मालिन्य आ भी गया हो तो फाग खेलने के बाद दूर हो जाता है। जैसे-जैसे दोपहर चढ़ती है तो 'फाग' के गीतों की गर्जना आसमान को छूने लगती है। फागण के लोकगीत भी अद्भुत खुशी देते हैं और मस्ती का सृजन करते हैं। यह वह समय है, जब बच्चों और बड़ों के साथ-साथ बुजुर्गों से भी मजाक करते हुए गीत गाए जाते हैं...

काची अम्बली गदराई सामण मैं
बुड्ढी री लुगाई मस्ताई फागण मैं
कहियो री उस ससुर मेरे नै बिन घाली लेजा फागण मैं
कहियो री उस बहुए म्हारी नै चार बरस डट जावे

पीहर मैं फागण का मस्ती से भरा लोकगीत देखिए..

फागण के दिन चार री सजनी, फागण के दिन चार।
मध जोबन आया फागण मैं फागण बी आया जोबन मैं झाल उठे सैं मेरे मन मैं
जिनका बार न पार री सजनी, फागण के दिन चार..

हरियाणा में फाग का यह हुड़दंग 'लूर' नृत्य के बिना अधूरा है। लूर नृत्य में महिलाएं दो पंक्तियों में खड़ी होकर प्रश्न-उत्तर की शैली में गीत गाती हैं। फाग के दौरान हरियाणा का खान-पान भी अपने विशेष रंग में होता है। घर-घर में 'गुझिया', 'शक्करपारे' और दूध-केसर की 'ठंडाई' का दौर चलता है। कई गांवों में आज भी 'सामूहिक भोज' की परंपरा है, जहां पूरा गांव एक जगह बैठकर भोजन करता है, जो सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

फाग के इस मदमस्त उल्लास में एक और महत्वपूर्ण पक्ष 'स्वांग' और 'रागनी' का है। शाम होते-होते जब रंगों का खेल थमता है, तो चौपालों पर रागनी की महफिलें सजती हैं। इन रागनियों में फाल्गुन की महिमा, वीरों की गाथाएं और हास्य-व्यंग्य की ऐसी बौछार होती है कि दिन भर की थकान कपूर की तरह उड़ जाती है। लोग नहा-धोकर, सफेद कुर्ता-पायजामा और खाकी खंडवा पहनकर एक-दूसरे के घर गले मिलने जाते हैं। असल में हरियाणा में होली और धुलंडी का यह पर्व केवल तिथि विशेष का आयोजन नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक समरसता का महापर्व है। जहाँ होली की अग्नि व्यक्तिगत अहं और संचित कड़वाहटों को स्वाहा कर मन को सात्विक बनाती है, वहीं धुलंडी का हुड़दंग रिश्तों की मर्यादाओं को प्रेम और ठिठोली के नए रंगों से सींचता है। यह उत्सव प्रमाणित करता है कि हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा में जितनी कठोरता पौरुष की है, उतनी ही तरलता सामूहिक आनंद और अटूट भाईचारे की भी है।

कविता | **सविता गर्ग सावी**

फागण रंग रंगीला

फागण आया रंग रंगीला
रक्का पड़ रया भारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी

कमर के ऊपर बांध के पटका
बंसी बीच फसाई
रूप अनोखा देखन आए
सारे लोग लुगाई
कट्ठी हो के सखियां नै फेर
घेर लिए गिरधारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी

राधा रानी बन के जाटनी
ले के कोरडा आई
गिरधारी की खैर नहा इब
सोच सोच मुसकाई
आज जगत के रखवाले पै
पड़ री जाटनी भारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी।

कविता | **दलबीर सिंह फूल**

बाळक पण की होळी

छुट्या लहारसा खेलण का
ना खेलणिया की टोळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

कैरा आळी लकड़ी का हम
डाण्डा काट्या करते
कट्ठे होकै टाबर सारे
डाण्डा गाड्या करते
छड़ी भींटका ठावण तै फेर
ना कोय नाट्या करते
होळी ऊंची चढावण नै हम
रात्यूं हाण्डया करते
नित नये सांग काढया करते
लेकै हाथ लठोळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

ईब देख इस होळी नै
आख्यां मैं खून उतरता
कोय पुराणी रंजीस हो
वो इस द्यन पूरी करता
कीचड़ गारया फैकण लागे
देख -देख मैं डरता
कोळी भरकै मिलै नही तो
कोन्या जी सा भरता
हाथ मिला कै दूर हटैं
बात हुई सब ओळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हरियाणवी होली | **प्रदेश में यो त्योहार भाईचारा बढाण का अर मखौल (मजाक) करण का मौका सै**

बुरा ना मानियो, रंग तो लागैगा

रंगों का त्योहार | फीचर डेस्क

राम-राम भाइयो और बहणो! आगी होली! हरियाणा की होली सिर्फ रंगों का त्यौहार कोन्या ये तो भाईचारा बढाण का और सबसे ज्यादा मखौल (मजाक) करण का मौका सै। हरयाणे में होली का मतलब है-चाहे कोई कितणा भी तगड़ा 'चौधरी' क्यूं न हो, आज तो वह 'बहुरूपिया' बनकर ही घर लौटेगा।

धोती-कुर्ता और पक्के रंग की जंग

होली के दिन सबसे पहले तो अलमारी में से वो 'सफेद कुर्ता-पजामा' या धोती निकाली जावे सै जो साल भर से 'कोमा' में थी। क्योंकि यो भाई हरयाणे में 'गुलाल' से होली कोन्या खेली जावे, इत्थे तो 'पक्का रंग' चाले सै-हरा नीला पीला... जो हफ्ता भर थारे चेहरे पे थारी 'पहचान' बणाए राखेगा।

बुरा न मानियो, सबसे बड़ा बहाना

गाम में टोली बण के निकड़े हैं युवा। कोई बाल्टी लेकर, कोई पिचकारी। गली में जो भी मिल गया समझो 'खत्म'। कोई आंटी-ताऊ अगर ना भी कहें तो भी पीछे से आवाज़ आवे सै—'अरे ताऊ बुरा न मानियो आज तो होली है!' और ताऊ भी क्या करें? मखौल में रंग लगवाना ही पड़े सै।

भाभी और देवर का 'फाग'

हरियाणवी होली में सबसे मजेदार सीन होवे सै जब भाभी-देवर का 'फाग' (होली के गीत) चले सै। देवर अपनी भाभी को हराने के लिए पूरा गाम छान मारता है। भाभी-देवर के मखौल में रंग और गुलाल की ऐसी बौछार होवे सै कि 'मेरा रंग जमा जा तू' के सुर गूंज उठें। इस दिन भाभी देवर को कोलड़े मारती है और देवर उससे बचाव के तरीके अपनाता है।

देसी होली का स्वैग

रंग खेलने के बाद की असली कहानी तो गुझिया और ढोकले (या घर की बनी रोटियां) के साथ चले सै। घर-घर जाकर रंग लगाना और फिर 'के हाल सै भाई?' कहकर गले मिलना ही असली हरियाणवी भाईचारा है।

वो खास रंगीले साथी

हर गाम में एक-दो ऐसे 'काका' या 'ताऊ' ज़रूर होते हैं, जो होली के सबसे बड़े शिकार होते हैं। वो गली के कौने में छुपे मिलेंगे, पर गाम के छोरे उन्हें ढूँढ ही लेंगे। 'आज तो संतोष भाभी का गुलाल लगा और चोट बड़ा पहचान भी कौन है!'- ये माहौल रहता है!

निष्कर्ष : होली का मतलब है पुराना वैर-भाव भूलकर रंगां में रंग जाणा। चाहे कितना ही कोई 'धोरा' (पास) आने से डरे पर हरयाणे की होली में 'रंग तो लागैगा मखौल तो होवैगा!'

तो उठाइए बाल्टी, मिलाइए पक्का रंग और कहिए- बुरा न मानियो होली सै भाई!

चटपटे होली चुटकुले

पति-पत्नी की लट्ठमार होली

एक घर से रमन और उनकी पत्नी निशा के हंसने की बहुत आवाजें आती थीं। मोहल्ले के लोग खुशहाली का राज जानने पहुंचे।
रमन बोला- 'बहुत सरल है, हमारे यहां मेरी बीवी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लट्ठमार होली खेलते हैं! अगर मुझे लग जाता है तो वो हंसती है और नहीं लगता है तो मैं हंसता हूं।'

नाले में 'मेहबूबा'

योग स्वामी दामदेव को गाने का बड़ा शौक था। होली की मस्ती और भांग के रंग में वे गाते हुए जा रहे थे- 'मेहबूबा, मेहबूबा...'तभी छपाक से एक नाले में गिर गए!

अब उनकी कांपती हुई आवाज आई- 'मैं डूबा, मैं डूबा...!'

होली और नहाना

एक आदमी होली पर गाना गुनगुना रहा था- 'घर में नहीं है पानी तो होली कैसे मनाऊं रे!'

पड़ोसी ने सुना तो कहा- 'भाई, पानी हो न हो, होली तो मनानी ही चाहिए। उधार लेकर ही सही, साल में कम से कम एक बार तो नहाना ही चाहिए!'

रंग की बाल्टी की दूरी

एक आदमी सड़क पर सफेद पट्टी रंगने का काम कर रहा था। पहले दिन उसने 6 मील पुताई की, दूसरे दिन 3 मील और तीसरे दिन सिर्फ 1 मील। ठेकेदार ने कारण पूछा तो उसने कहा- 'साहब, काम तो मैं जल्दी ही कर रहा हूं, पर हर अगले दिन मुझे बाल्टी तक वापस आने के लिए बहुत लंबी दूरी तय करनी पड़ती है!'

दारू छोड़ने का इरादा

एक शराबी बोला- 'आज होली है, सोच रहा हूं दारू छोड़ दूं... लेकिन किसके पास छोड़ूं? फेर कई देर सोचे पाछे बोल्या, सभी दोस्त साले कमीने हैं, होली के पहले ही पी जाएंगे!'

होली की दुल्हंडी : रंग, राड़ अर रसभरी ठिठोली

इंद्रधनुष | फीचर डेस्क

हरियाणा में होली के अगले दिन आवे सै दुल्हंडी (धुलेंडी)। यो दिन असल में रंगां की "फुल एंड फाइनल सेटलमेंट" सै। होलिका दहन की आग ठंडी हो जावे सै, पर गांव के छोऱ्यां की शरारतां की आग और तेज हो जावे सै। दुल्हंडी का मतलब साफ सै—आज कोई नहीं बचेगा, चाहे वो कित्ता ही बड़ा ज्ञानी, सयाणा या सीधा क्यों ना हो। सुबह-सुबह गांव में अजीब सी खामोशी दिखे सै, पर यो तूफान से पहले की शांति हो सै। छोरे पहले ही रात नै बाल्टियां भर के रख लें सै। किसी के घर के आगे ड्रम, कहीं टंकी, कहीं पाइप सीधे नल पे फिट।

जैसे ही पहला भोला-भाला आदमी गली में निकले, चारों तरफ से हमला—रंग, पानी, कीचड़, गुलाल! बेचारा समझे कि दूध लेने निकला था, पर वापस आवे सै तो पूरा "चलता-फिरता इंद्रधनुष" बन के।

दुल्हंडी में एक खास बात हो सै- आज "ना" का कोई मतलब ना हो। अगर कोई बोले, "भाई मैं रंग ना खेलूं," तो समझ लो उसके ऊपर स्पेशल पैकेज लागू हो गया। दो छोरे हाथ पकड़ें सै, तीसरा बाल्टी उड़ेल दे सै, चौथा फोटो खींच ले सै। फेर शाम नै वही फोटो पूरे गांव में घूमे सै।

गांव की ताई-चाची भी कम ना सै। जद छोरे ज्यादा उधम मचावें सै तो ताई बाल्टी ले के तैयार। बोले- "रुको, मैं बताऊं असली रंग के हो सै!" अर एक ही वार में सारे हीरो जमीन पे। बाद में वही ताई गुजिया खिलावै सै अर कहे- "बुरा मत मानियो, दुल्हंडी सै।"

दुल्हंडी का सबसे मजेदार सीन तो तब बने सै जद कोई नया दामाद पहली बार ससुराल आवे। बेचारा सोच के आवे सै कि इज्जत होगी, सत्कार होगा। पर यहां तो पहले से ही कमेटी बैठी हो सै—"आज जीजा की खैर ना।" जैसे ही जीजा बाहर निकले, रंग की बौछार। एक बार तो एक जीजा के जूते तक गुलाबी कर दिए। दो दिन बाद ऑफिस गया तो सहकर्मी पूछें—"सर, आप होली खेले थे या पेंट की दुकान में गिरे थे?" दुल्हंडी में खाने-पीने का भी अलग ही सिस्टम सै। सुबह से ही घर-घर पकवान। पर छोरे इतने व्यस्त हों सै रंग में कि खाने का टाइम ही ना मिले। जद थक जावें सै, तब याद आवे सै कि पेट भी कोई चीज हो सै। गुजिया, दही-बड़े, मठरी सब ऐसे साफ हों सै जैसे गांव में टिड्डी दल आ गया हो।अर भाई, कुछ "खास" लोग भांग की ठंडाई भी पी लें सै। फेर दुल्हंडी के रंग में दर्शनशास्त्र शुरू हो जावे सै।

एक काका बोले- "रंग असल में जिंदगी का प्रतीक सै।" दूसरा जवाब दे- "पहले तू घर जा, तेरी घरवाली प्रतीक समझा देगी।" चौपाल में हंसी का फव्वारा फूट पड़े सै। पहले के टाइम में दुल्हंडी ज्यादा सादी अर ठेठ होती थी। टेसू के फूल उबाल के रंग बनावें सै, कीचड़ भी चलता सै। अब के टाइम में डीजे, स्पीकर, कलर स्प्रे अर सेल्फी स्टिक आ ली सै। पर असली मजा तो गांव की गलियां में ही सै-जहां हर कोई एक-दूजे के घर बिना बुलावे घुस जावे सै, अर बोले-"आज तो रंग लगाके ही मानूंगा।"

दुल्हंडी का असली मतलब राड़-झगड़ा ना, बल्कि दिल खोल के हंसणा सै। जो मन में गिला-शिकवा हो, रंग लगा के मिटा दो। एक-दूजे नै गले लगाओ अर कहो- "भाई, दुल्हंडी सै, भूल जा सारी बात।"

दुल्हंडी हरियाणा की वो परंपरा सै, जो सिखावै सै के जिंदगी में थोड़ा रंग, थोड़ी शरारत अर ढेर सारी हंसी जरूरी सै। बाकी अगर कोई ज्यादा रंग दे तो बुरा मत मानियो- दुल्हंडी सै!

शाम होते-होते सब थक के चूर हो जावें सै। कोई नाली में फिसल के आया हो सै, कोई बाल्टी से भीग के। पर चेहरे पे मुस्कान जरूर हो सै। कपड़े चाहे खराब हो जावें, पर यादां नईं धुलें सै।

तो भई, दुल्हंडी हरियाणा की वो परंपरा सै जो सिखावै सै कि जिंदगी में थोड़ा रंग, थोड़ी शरारत अर ढेर सारी हंसी जरूरी सै। बाकी अगर कोई ज्यादा रंग दे दे तो बुरा मत मानियो- दुल्हंडी सै!

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2026 पर प्रदर्शनी में बोलीं- गुजवि की प्रथम महिला

वैज्ञानिक दृष्टिकोण व तार्किक चिंतन का विकास विज्ञान दिवस का उद्देश्य

प्रदर्शनी में कुल 33 प्रोजेक्ट्स एवं मॉडल्स प्रस्तुत किए गए, विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। विज्ञान प्रदर्शनी में अपने मॉडल के साथ स्कूली विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सीआएस सभागार में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2026 के उपलक्ष्य पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. वंदना बिश्नोई ने विज्ञान प्रदर्शनी में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रही। प्रो. वंदना बिश्नोई ने इस दौरान प्रतिभागियों से संवाद किया तथा कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का उद्देश्य केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों का स्मरण करना नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक चिंतन और नवाचार की संस्कृति को विकसित करना है। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भविष्य के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को दिशा प्रदान करते हैं। अध्यक्षता फैकल्टी ऑफ फिजिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी की डीन प्रो. सुजाता सांगी ने की। विज्ञान प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों के साथ-साथ पलाडियम स्कूल, हिसार के विद्यार्थियों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रदर्शनी में कुल 33 प्रोजेक्ट्स एवं मॉडल्स प्रस्तुत किए गए, जिनमें पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जल प्रबंधन, हरित प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स तथा सतत विकास जैसे समसामयिक विषयों पर आधारित नवाचारी प्रयोग शामिल थे। विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए बैनर, चार्ट एवं कार्यशील मॉडल्स ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2026 का यह आयोजन विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधानपरक वातावरण तथा नवाचार की प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित करता है।

विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है

प्रो. सुजाता सांघी ने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुसंधान आधारित सोच विकसित करने और समाजोन्मुखी नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विधायक भयाना का माडल टाउन रेजिस्टेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने किया भव्य स्वागत

- हांसी को जिला बनवाने में विधायक ने अथक परिश्रम किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

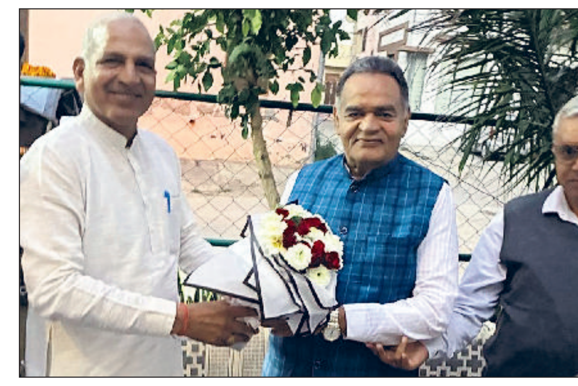
हांसी। विधायक विनोद भयाना का स्वागत करते प्रधान जेपी यादव व अन्य।

माडल टाउन वेलफेयर एसोसिएशन में शनिवार शाम को विधायक विनोद भयाना के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। माडल टाउन में पहुंचने पर विधायक का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया

कार्यक्रम में गांव के एसोसिएशन सदस्य मोहन लाल बंसल ने विधायक विनोद भयाना का स्वागत करते हुए कहा कि हांसी को जिला बनाया जाना एक ऐतिहासिक निर्णय है और हांसी को जिला बनवाने में विधायक विनोद भयाना ने अथक परिश्रम किया है।

इस अवसर पर एसोसिएशन प्रधान जेपी यादव ने विधायक द्वारा किए गए अथक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हांसी को जिला बनाना वर्षों पुरानी मांग थी, जिसे पूरा करवाने में विधायक विनोद भयाना की अहम भूमिका रही। इस अवसर प्रधान यादव ने माडल टाउन निवासियों की ओर से विधायक को माडल टाउन में व्याप्त समस्याओं के निराकरण व विकास कार्यों को लेकर एक मांग पत्र सौंपा।

इस अवसर पर विधायक विनोद भयाना ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप लोगों द्वारा किए गए सम्मान से उनका मनोबल ओर अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि जब तक हांसी जिला नहीं बना था, तब तक विपक्ष भ्रम फैलाता रहा, लेकिन आज जिला बनने के बाद सच्चाई सबके सामने है। उन्होंने बताया कि जल्द ही हांसी जिले के अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति होनी वाली है तथा जिले में सभी प्रशासनिक अधिकारी आने के बाद विकास की गति को और तेज किया जाएगा तथा शहर की सफाई व्यवस्था व अन्य समस्याओं से निजात दिलवाई जाएगी।

इस अवसर बलराज सिंह महासचिव ठंडी राम संयुक्त सचिव मोहन लाल बंसल कोषाध्यक्ष डीएसपी सज्जन कुमार सहायक कमांडेंट बलजीत यादव करतार खुराना डीपी सिहाग थंबू राम, रघबीर राणा, श्रीकृष्ण यादव, ज्ञान चंद सैनी, उदयभान सरपंच, नरेश यादव, जगदीश जागलान, जगदीश वर्मा, शेर सिंह यादव महावीर यादव, देवेन्द्र गुलाटी डीके गक्खड़ व नवीन जैन आदि सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

'श्याम चौक' नामकरण बोर्ड लगने पर लड्डू बांटकर मनाई खुशी

उकलाना। नगर पालिका द्वारा श्री श्याम मंदिर के समीप 'श्याम चौक' नामकरण बोर्ड लगाए जाने पर मंदिर कमेटी और श्रद्धालुओं ने खुशी जताई है। इस अवसर पर श्री श्याम मंदिर कमेटी के सदस्यों ने लड्डू बांटकर हर्ष व्यक्त किया। यह चौक पहले आम बोलचाल में जमाई चौक के नाम से जाना जाता था, लेकिन अब आधिकारिक रूप से इसका नाम बदलकर 'श्याम चौक' कर दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान कमेटी के प्रधान डॉ. विचित्र शर्मा ने श्याम बाबा की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि यह सब श्याम बाबा की असीम कृपा का परिणाम है कि इस चौक को नया नाम मिला है। उन्होंने कहा कि अब यह स्थान 'श्याम चौक' के नाम से जाना जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। उन्होंने प्रदेश सरकार एवं नगर पालिका प्रशासन का आभार प्रकट करते हुए चौक के नामकरण में सहयोग देने के लिए पार्षद अरुण गोयल को भी बधाई दी। निवर्तमान पार्षद अरुण गोयल ने कहा कि नगर पालिका ने मंदिर प्रेमियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए चौक का नामकरण किया है, जिसके लिए वे प्रशासन के आभारी हैं। इस मौके पर नवीन बंसल, योगेश शर्मा, अतुल लोहिया, दिनेश बंसल, अशोक मित्तल, तरुण सिंगल, रविंद्र गोयल, इमली वाले हरीश जैन, गोल्डी बवेजा, प्रेम ढींगरा विशाल सुमित जैन, राजू जैन, मोहन सोनी, मोहित बवेजा, पवन लोहिया, पंकज गर्ग सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे और सभी ने मिलकर खुशी मनाई। कार्यक्रम के दौरान मंदिर के पुजारी लखन शर्मा द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न करवाई गई।

एक शाम राधा श्याम संग होली उत्सव मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

बरवाला। पंडित गौतम कृष्ण उपाध्याय को सम्मानित करते श्री गणेश महोत्सव मंडल के पदाधिकारी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

श्री गणेश महोत्सव मंडल के तत्वावधान में गणपति चौक में एक शाम राधा श्याम संग होली उत्सव का आयोजन किया गया। इस होली उत्सव में रसिक बिहारी श्री धाम वृंदावन वाले पंडित गौतम कृष्ण उपाध्याय ने अपने मधुर कंठ से राधा रानी के भजनों का गुणगान किया। इन भजनों पर उपस्थित श्रद्धालुगण धार्मिक भावना से वशीभूत होकर झूम उठे। पंडित गौतम कृष्ण उपाध्याय ने गणपति चौक को राधा रानी के भजनों से गुंजायमान कर दिया। मंच संचालन अनिल काठपाल ने किया। इस होली उत्सव में श्रद्धालुओं द्वारा आपस में एक दूसरे के संग फूलों की होली खेली गई। इस दौरान श्री गणेश महोत्सव मंडल के पदाधिकारियों ने पंडित गौतम कृष्ण उपाध्याय को सम्मानित किया और आशीर्वाद ग्रहण किया। इससे पूर्व भजन कलाकार चिराग और अक्षत ने भी राधा रानी के भजनों का गुणगान किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रधान शिव कुमार सोनी, उपप्रधान विजय सहगल, कोषाध्यक्ष पवन शर्मा, हर्ष भारती, अजय कथूरिया, कपिल मेहंदीरता, मुकेश कथूरिया, रिंकू सरदाना, प्रदीप कथूरिया, एडवोकेट लव शर्मा, सतीश पठनेजा, धन्नू कथूरिया, कालू मखीजा, प्रेम व एडवोकेट प्रतीक कथूरिया समेत सैकड़ो की तादाद में श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

ये संसार एक जादूगरी का मंच, जादू करने वाला केवल भगवान: वंदना

हांसी। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान हांसी में साप्ताहिक सत्संग का आयोजन किया गया। इसमे आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी वंदना भारती ने श्रद्धालुओं को बताया कि परमात्मा के साथ हमारा वास्तविक और नित्य सम्बन्ध है। वो ही परमात्मा हमे संसार के बारे मे बताते हैं कि ये संसार भी एक जादू जैसा है। जादूगरी का मंच है। इस जादू को करने वाला जादूगर है, वह भगवान। जो दिखता है वह सत्य नहीं। जो सत्य है वह दिखता नहीं। यही इस जादूगर की माया है। यही उसका जादू है। हम सभी जीव इस जादू के दर्शक हैं। हममें जो बालवत है, अज्ञानी है, वो इस तिलस्मी जादू में खो जाते हैं। इसी को दुनिया का खूबसूरत सच मान बैठते है। इसी के साथ जीते हैं और मरते हैं। लेकिन दर्शकों की इस भीड़ में कुछ जीव ऐसे भी आते हैं, जो सूझवान और विवेकी होते हैं। उनकी दृष्टि जादू के उस पार देखती है। उनका अनुभव उन्हें जनाता है कि जहां तहां और जिन-जिन नजारों में ये मन उलझता है, वह सब माया है, जादू है, चमकीला झूठ है। यह नजर हमें पूर्ण गुरु ही देता है, जिससे हमें सच को जान पाते हैं और परमात्मा तक पहुंचते हैं। उस ईश्वर सत्ता को अपने घट में देखते हैं।

विरेंद्र नरवाल बने आप के प्रदेश कार्यालय प्रभारी,पूर्व सांसद गुप्ता ने किया स्वागत

- विरेंद्र नरवाल ने चंडीगढ़ स्थित प्रदेश कार्यालय में पहुंचने पर प्रदेशाध्यक्ष का किया स्वागत

हिसार। आम आदमी पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश कार्यालय प्रभारी विरेंद्र नरवाल ने पार्टी प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता का चंडीगढ़ स्थित प्रदेश कार्यालय में पहुंचने पर स्वागत किया। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने विरेंद्र नरवाल को नये दायित्व के लिए के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विरेंद्र नरवाल को उनकी पार्टी के प्रति निष्ठा और समर्पण को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी निष्ठावान कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने का काम करती है। विरेंद्र नरवाल ने कहा कि पार्टी नेतृत्व और प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने उन पर जो विश्वास जताया है वो उस पर खरा उतरेंगे और इस दायित्व को पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा व समर्पण के साथ निभाएंगे तथा हरियाणा में पार्टी की संगठनात्मक संरचना को और मजबूत करने का भरपूर प्रयास करेंगे।

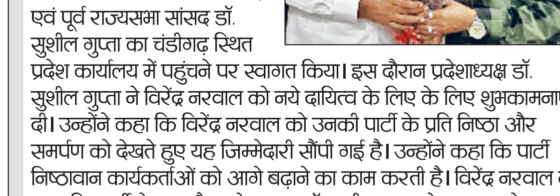

लाइब्रेरी गांव के विद्यार्थी व युवाओं के लिए ज्ञान का केंद्र सिद्ध होगी: कत्याल

बरवाला। क्षेत्र के गांव हसनगढ़ में सामाजिक, शैक्षणिक एवं मानवीय मूल्यों को समर्पित एक ऐतिहासिक पहल के तहत डॉ. अंबेडकर लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पंचायती राज विभाग के एसडीओ विजय कत्याल ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में गांव के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, शिक्षकगण, युवा वर्ग एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात मुख्य अतिथि एसडीओ विजय कत्याल ने रिबन काटकर लाइब्रेरी का औपचारिक उद्घाटन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी समाज की उन्नति का आधार शिक्षा होती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह लाइब्रेरी गांव के विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं तथा जागरूक नागरिकों के लिए ज्ञान का सशक्त केंद्र सिद्ध होगी। लाइब्रेरी के उद्घाटन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। इस शिविर में युवाओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। सिविल हॉस्पिटल हिसार चिकित्सकीय टीम की देखरेख में सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से रक्त संग्रह किया गया। रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर शमशेर माथुर, पवन, कुलबीर सिंह, अमित, चेतन, राहुल, विवेक, अभिषेक व अंकित समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सम्मेलन की सफलता पर समिति ने जताया आभार

उकलाना मंडी। अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन हरियाणा राज्य के 10वें सम्मेलन के सफल आयोजन के उपरांत स्वागत समिति की समीक्षा बैठक उकलाना स्थित मार्केट कमेटी के रेस्ट हाउस में हुई। बैठक की अध्यक्षता स्वागत समिति के अध्यक्ष सरवत सिंह पूनिया ने की, जबकि मंच संचालन सचिव रोहताष राजली द्वारा किया गया। सम्मेलन की अभूतपूर्व सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए समिति के चेयरमैन डॉ. सुरेंद्र सेलवाल, अध्यक्ष सरवत सिंह पूनिया तथा राज्य अध्यक्ष जगमाल सिंह ने उन सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने दिन-रात मेहनत कर आयोजन को सफल बनाया। उन्होंने विशेष रूप से आवास समिति एवं सभी वालंटियर साथियों के योगदान की सराहना की।

खबर संक्षेप

32 विद्यार्थियों का एस्कॉर्ट्स कुबोटा में चयन

हिसार। गुरु दक्ष राजकीय पॉलिटेक्निक के मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शाखा के विद्यार्थियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कैंपस प्लेसमेंट में सफलता प्राप्त की है। संस्थान में आयोजित कैंपस इंटरव्यू के माध्यम से एस्कॉर्ट्स कुबोटा में कुल 32 विद्यार्थियों का चयन 'डिप्लोमा ट्रेनी' पद के लिए हुआ। चयनित विद्यार्थियों में अधिकांश मैकेनिकल इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शाखा से हैं। कंपनी द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को 16 हजार 750 रुपये प्रति माह का वेतन पैकेज प्रदान किया जाएगा।

युगल गिरी महाराज ने दिया 31 लाख का दान

आदमपुर। किशनगढ़ खारा बरवाला की कृष्ण गौशाला में चल रही सात दिवसीय कथा का आज हवन यज्ञ के साथ समापन हुआ। कथावाचक श्री बजरंग दास जी महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को बताया कि गौ माता की सेवा करने से 33 कोटि देवी देवता प्रश्न होते हैं और मानव जीवन का कल्याण होता है। कथा में मुख्य रूप से किरमारा शिव मंदिर से युगल गिरी जी महाराज की उपस्थिति रही गौशाला कमेटी ने महाराज जी का बड़े उत्साह से गाजे बाजे के साथ फूलमालाओं से स्वागत किया। युगल गिरी जी महाराज ने गोपालन के लिए 31 लाख रुपए दान स्वरूप गौशाला कमेटी को भेंट किए।

मंडल ने बारस पर नई सब्जी मंडी में लगाया 40वां भंडारा

हिसार। श्रीश्याम बालाजी सेवादार मंडल की टीम ने बारस पर नई सब्जी मंडी में 40वां मासिक भंडारा लगाया। भंडारे की शुरुआत भाभड़ा बिरादरी के प्रधान गोबिंद बेदी और उनकी टीम के सदस्यों अनिल बेदी, सुरेंद्र डिगा, हरीश द्वारा पूजा-अर्चना व भोग लगवाकर की गई। मंडल के सदस्यों ने आए हुए अतिथियों का पटका पहनाकर अभिनंदन किया।

ओशो ध्यान उपवन में साधकों में वितरित किया लंगर प्रसाद

हिसार। साधकों के मार्गदर्शन के प्रति समर्पित ओशो ध्यान उपवन में होली की धूम रही। साधकों ने पूरी तन्मयता से ध्यान सत्र में हिस्सा लिया और एक-दूसरे को चंदन लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही नाचते-गाते हुए अलग अनुभूति का एहसास किया। इस अवसर पर केमिकल रंगों से मुक्त और चंदन युक्त होली ने सभी को खूब प्रभावित किया। स्वामी संजय व मां सांची ने साधकों को होली के सही मायने समझाते हुए कहा कि जीवन के हर पल को उत्सव की तरह मनाने का होली संदेश देती है। उन्होंने कहा कि फूल, पौधे, हवा और आकाश सहित समस्त प्रकृति हर पल उत्सव मनाती प्रतीत होती है लेकिन इंसान विभिन्न झंझावातों में फंसकर तनाव व अवसाद का शिकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हर रोज नए फूल खिलते हैं। पक्षी चहचहाते हैं और वृक्ष झूमते हैं। देखा जाए तो प्रकृति हर रोज होली मनाती है। इसलिए इंसान को भी हर दिन और हर पल को उत्सवमय बनाना चाहिए। आज के आधुनिक युग में इंसान तनाव की स्थिति में रहकर त्योहारों का आंनद नहीं ले पा रहे हैं।

लघु सचिवालय क्लब ने करवाई एक दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

लघु सचिवालय क्लब की ओर से आयोजित एक दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट बड़ी धूमधाम और उत्साह के साथ संपन्न हो गया। इस टूर्नामेंट में क्षेत्र की 20 से ज्यादा विभिन्न टीमों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और खिलाड़ियों ने अपनी बेहतरीन खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

टूर्नामेंट की शुरुआत सुबह लघु सचिवालय स्थित खेल मैदान में समाजसेवी रूपराम गुर्जर, एसटीएफ डीएसपी जोगिंदर सिंह, फतेहाबाद के खेल अधिकारी विष्णु, सीआईडी हिसार इंचार्ज करमबीर सिंह, सिंचाई विभाग एसडीओ जगबीर पूनिया ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व नेशनल वॉलीबॉल खिलाड़ी ओपी शर्मा, बलवान सिंह बलौदा, इंद्रजीत सिंह सांगवान आयोजन में शामिल हुए।

टूर्नामेंट में 20 से ज्यादा टीमों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। दिन भर चले रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने आकर्षक सर्व, ब्लॉक, स्मैश और डिफेंस के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन किया। निर्णायक मुकाबले में विजेता टीम का नाम ने उप विजेता टीम का नाम को स्कोर, जैसे - 2-1 सेटों से पराजित कर विजय प्राप्त की।

ये रहे प्रतियोगिता के विजेता

रविन्द्र मीरान को प्रथम पुरस्कार स्वरूप ट्रॉफी व 4100 रुपये का नकद इनाम दिया गया। इसी तरह उप विजेता टीमः लैविश वॉलीबॉल एकेडमी को पुरस्कारस्वरूप ट्रॉफी व 3100 रुपये का नकद इनाम तथा मीरान ए टीम को तृतीय स्थान के लिए पुरस्कारस्वरूप ट्राफी व 2100 रुपये नकद इनाम दिया गया। मुख्य अतिथि ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित करते हुए कहा कि ऐसे टूर्नामेंट युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ाते हैं और टीम भावना व अनुशासन को मजबूत बनाते हैं।

प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग में 14 को मनाई जाएगी रजत जयंती

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग में गौरव, परंपरा और उपलब्धियों का ऐतिहासिक संगम देखने को मिलेगा। विभाग की ओर से 14 मार्च को प्रथम बैच (1996-2000) की रजत जयंती समारोह एवं एलुमनाई मीट-2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस महत्वपूर्ण आयोजन के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने विभाग को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूर्व विद्यार्थी किसी भी संस्थान की वास्तविक पहचान और शक्ति होते हैं। यह आयोजन न केवल विभाग के 25 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा का उत्सव होगा, बल्कि पुराने साथियों के पुनर्मिलन का भावनात्मक अवसर भी बनेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन विभाग के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस आयोजन की संयोजक विभागाध्यक्षा डॉ. वंदना तथा आयोजन सचिव डॉ. संजीव कुमार हैं, जो इस समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरे समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। डॉ. वंदना ने बताया कि इस विशेष अवसर पर विभाग अपने प्रथम बैच (1996-2000) के विद्यार्थियों को सम्मानित करेगा।

सम्मान डेयरी फार्मिंग-लुवास में कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण का समापन

आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक पद्धतियों एवं प्रबंधन कौशल से पशुपालक कर सकते आय में वृद्धि : सिंधू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करते डॉ. सोनिया सिंधु।

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन विभाग में अनुसूचित जाति उप योजना के तहत पशुपालकों के लिए डेयरी फार्मिंग – कौशल विकास के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की मानव संसाधन प्रबंधन निदेशका, डॉ. सोनिया सिंधु मुख्य अतिथि रहीं।

अपने संबोधन में डॉ. सोनिया सिंधु ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गर्व और सौभाग्य की बात है कि दूर-दराज़ क्षेत्रों से पशुपालक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए यहां पहुंचे हैं।

समापन समारोह के दौरान प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय का खनिज मिश्रण, बाल्टी, छलनी एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण के निदेशक प्रोफेसर डॉ. सतपाल दहिया ने बताया कि यह प्रशिक्षण भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की डेयरी पशुओं की नस्ल सुधार योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में 60 अनुसूचित जाति के पशुपालकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पशुपालन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की गई। विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा डेयरी प्रबंधन, पशुओं की प्रमुख नस्लें, संतुलित आहार, पशु आवास, नवजात पशुओं की देखभाल, नस्ल सुधार की महत्ता, प्रजनन प्रबंधन, स्वच्छ दुग्ध उत्पादन तथा पशुओं के प्रमुख रोग एवं टीकाकरण से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई।

नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार व स्वच्छता से रोगों की संभावना होती है कम

डॉ. सोनिया सिंधु ने कहा कि यह सहभागिता न केवल पशुपालकों की जागरूकता को दर्शाती है, बल्कि डेयरी क्षेत्र में उन्नति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी प्रमाणित करती है। उन्होंने डेयरी व्यवसाय में तकनीकी ज्ञान की अनिवार्यता पर विशेष बल देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक पद्धतियों एवं नवीन प्रबंधन कौशल को अपनाकर ही पशुपालक उत्पादन और आय में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार एवं स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन उपायों से पशुओं में रोगों की संभावना कम होती है। अंत में उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को व्यवहार में लागू करने का आह्वान किया, ताकि पशुपालक आत्मनिर्भर बन सकें और डेयरी क्षेत्र के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकें तथा अन्य पशुपालकों को भी जागरूक कर सकें।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. मनोज कुमार वर्मा, डॉ. योगेश बांगड़, डॉ. सोनू कुमारी, प्राध्यापक पूनम रतवान एवं सुनील कुमार उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

छात्र-युवा एकजुट, अन्याय के खिलाफ होगा निर्णायक संघर्ष : दिग्विजय चौटाला

नारनौंद । युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने कहा है कि युवाओं की लड़ाई लड़कर उनको हक दिलाने का काम करेंगे। प्रदेश का मुख्यमंत्री कमजोर है आज कानून व्यवस्था का जनाजा निकला हुआ है। दिग्विजय चौटाला रविवार को छात्र नेता हरिकेश ढांडा द्वारा गांव बुडाना युवा जागृति सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 13 मार्च को हांसी में होने वाली रैली का निमंत्रण देते हुए कहा कि इस जनसभा में भीड़ ने यह साफ कर दिया कि प्रदेश का युवा अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार है। पिछले दिनों हरिकेश ढांडा ने अपने साथियों सहित (क्रांतिकारी स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन) का इनसो में विधिवत विलय करते हुए संगठन की सदस्यता ग्रहण की थी। इस अवसर पर करण सिंह देपल, डॉ. अजीत ओडीएम, जिला अध्यक्ष अमित बूरा, युवा जिला अध्यक्ष हर्ष पेटवाड़, हलका प्रधान ईश्वर सिंघवा,ओमप्रकाश खड़बला, पार्षद सुनील माजरा, अनिल बालकिया आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्द किशोर चावला ने किया अनेक वार्डों दौरा

बरवाला। सर्वजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्द किशोर चावला ने कार्यकर्ताओं के साथ बरवाला शहर के अनेक वार्डों का दौरा किया। इस दौरे में राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्द किशोर चावला ने वार्डवासियों को 8 मार्च को हिसार में शहीद मदनलाल ढींगडा चौक में होने वाले सांकेतिक धरना प्रदर्शन में पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि 8 मार्च को शहीद मदन लाल ढींगडा चौक हिसार में यूजीसी एक्ट के खिलाफ स्वर्ण समाज के बच्चों को न्याय दिलाने के लिए एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस सांकेतिक धरना प्रदर्शन के माध्यम से सरकार से यूजीसी कानून को वापिस लिए जाने की मांग की जाएगी। ताकि स्वर्ण समाज के बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके। इस अवसर पर अनेक कार्यकर्ता राजेश मेहता, डिंपल मेहता, पदमा रानी, दयानंद मेहता, अजीत ग्रोवर, सुभाष मेहता, दर्शन शर्मा व उषा आदि मौजूद रहे।

'भारत का संविधान हमारा स्वाभिमान' के तहत किया सम्मान

उकलाना। भारत का संविधान हमारा स्वाभिमान अभियान के तहत जन चेतना मंच द्वारा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया का उकलाना में भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि जन चेतना मंच का गठन भी सुदेश कटारिया के नेतृत्व में किया गया है। मंच के विस्तार के तहत श्रीनिवास लांबा को जिला अध्यक्ष तथा उकलाना अध्यक्ष की जिम्मेदारी जगदीश पेटवारिया को सौंपी गई है। मंच का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का समाधान सामाजिक स्तर पर करना है, ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से राजनीतिक चक्कर न काटने पड़ें और उनकी समस्याओं का त्वरित निवारण हो सके। कार्यक्रम में सुदेश कटारिया को लड्डुओं से तोलकर एवं पगड़ी पहनकर उनका सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर श्रीनिवास लांबा, जगदीश पेटवारिया, सरपंच सत्यवान बधावाड, सुखविंदर भादू, कुलदीप सिंह आदि थे।

राष्ट्रीय स्वंयमसेवक संघ के राष्ट्र सेवा के 100 वर्ष पूर्ण होने पर हिसार व नारनौंद में हुए हिन्दू सम्मेलन

पंच परिवर्तन से ही भारत बनेगा विश्वगुरु : डॉ. प्रताप

नारनौंद। कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य वक्ता डॉ. प्रताप।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व गणमान्य व्यक्ति।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

शहर के लाला रामस्वरूप संस्कृत महाविद्यालय में समाज एकता मंच द्वारा हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व मोहन शर्मा की भजन मंडली ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मुख्यातिथि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहन रेखा ने परिवार के एकजुट रहने व संस्कारवान बनाने की बात कही तथा बताया कि वसुधैव कुटुंब्रकम की भावना भारत का मूलचिंतन है। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी सूर्यानंद सरस्वती ने जबरदस्ती या लोभ लालच के कारण हो रहे मतांतरण को राष्ट्र के लिए घातक बताया। उन्होंने समाज के सभी वर्गों को मिलकर रहने का आह्वान किया व कहा कि जाति-पंथ के नाम पर कोई भी भेद समाज में नहीं होने चाहिए। इसलिए सभी महापुरुषों की जयंती सर्व समाज को मिलकर मनानी चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह डॉ. प्रताप ने संघ के 100 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डाला।

ये हैं पंच परिवर्तन के विषय

उन्होंने बताया कि विजयादशमी 2025 को संघ 100 वर्ष का हो गया है तथा यह शताब्दी वर्ष संघ के लिए आत्मविश्लेषण का समय है। संघ के कार्यकर्ता पंच परिवर्तन के विषयों सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व आधारित जीवन शैली व नागरिक कर्तव्य आदि को जन जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति इन विषयों को अपने जीवन में उतारता है तो अपना भारत जल्द ही विश्वगुरु भारत बनेगा। इस अवसर पर देवेंद्र ब्यास, संयोजक डॉ. रामकेश, डॉ. जगदीश, देवदत्त देव, धर्मपाल मित्तल, डॉ. बक्शी, राजपाल कटारिया, शिवकुमार, अनिल, गुलशन, आत्मप्रकाश, मनीष, मास्टर रामलाल, बिजेंद्र लोहान आदि उपस्थित रहे।

टिब्बा दानाशेर बस्ती क्षेत्र हुआ विराट हिंदू सम्मेलन

हिसार। टिब्बा दानाशेर बस्ती क्षेत्र में बाबा दानाशेर आयोजन समिति की ओर से हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य समाज में एकता, सांस्कृतिक जागरूकता और संघटन की भावना को सुदृढ़ करना था। पार्षद मनोहर लाल वर्मा ने बताया कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं प्रत्येक परिवार से आपसी मेल जोल बढ़ता हैं साथ ही उन्होंने इस सफल कार्यक्रम की सभी आयोजन करता साथियों व स्थानीय लोगों का आभार प्रकट किया। स्थानीय लोग परिवार सहित कार्यक्रम का हिस्सा बने। कार्यक्रम के अध्यक्ष सज्जन वर्मा ने बताया कि समाज की मजबूती संगठित प्रयासों से ही संभव है। मंच संचालक नितिन आजाद ने बताया कि हिंदू सम्मेलन में युवाओं की भागीदारी नवीन भारत से विश्व गुरू बनने की और एक सारात्मक कदम है जो युवाओं को अपनी परम्परा व नैतिक मूल्यों से जोड़ने का अवसर प्रदान करता हैं। इस कार्यक्रम में स्थानीय लोगों में कुलदीप सिहाग, पवन शर्मा, जतिन वर्मा, हरिओम जांगड़ा, सुंदर सोनी साधु राम, मनीराम घोड़ेला, सरोज, रेखा मंगल, अंजू रानी, कृष्णा यादव, महावीर, कृष्ण सहरावत, नरेश जांगड़ा, जयभगवान कुलड़िया, किशोर, प्रकाश डेयरी वाले, व अन्य मौजूद रहे।

हिन्दू होना ही हमारे लिए गर्व की बात : साध्वी सुजाता

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। कार्यक्रम को संबोधित करते साध्वी सुजाता।

हिन्दू होना ही हम सब के लिए गर्व की बात है। हिन्दू है पहचान दया की, स्वाभिमान की, इंसानियत की और हम सबकी पहचान भी। यह बात साध्वी सुजाता ने बुधला संत मंदिर में हिन्दू जागरण समिति, ऋषि नगर बस्ती की ओर से आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन में कही। कार्यक्रम संयोजक राजकंवर एवं यशपाल शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्वंयमसेवक संघ के राष्ट्र सेवा के 100 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे भारत में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को जिला सम्पर्क प्रमुख अश्विनी ने कहा कि श्रीराम की भूमि भारत की रक्षा के लिए प्रत्येक भारतवासी को समर्पित होना चाहिए और देश सेवा में तन मन न्योछावर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक हिन्दू होना ही अच्छा इंसान होने का परिचय है और बच्चों में शुरू से ही धर्म और देशभक्ति के संस्कार डालने चाहिए। सुनीता रहेजा ने पर्यावरण संचय का संदेश दिया। इस मौके पर विभाग संघ संचालक पवन जिंदल, कमल सर्राफ प्रांत सेवा भारती प्रमुख, नगर संघ संचालक राहुल, शाखा कार्यवाहक सोनू, सुभाष सोनी, ममता सोनी, रामअवतार, वीरभान, सुरेन्द्र गोयल, विनोद, पवन बिश्नोई, एचके शर्मा, योगेंद्र शर्मा, अनिल जैन पार्षद आदि गणमान्य व्यक्ति और नगरवासी उपस्थित थे।

ब्राह्मण सभा ने होली मिलन व सम्मान समारोह में किया एकजुटता का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

ब्राह्मण धर्मशाला में होली मिलन व सम्मान समारोह हुआ। उद्योगपति व समाजसेवी विजय कौशिक मुख्य अतिथि रहे, जबकि पूर्व सांसद डॉ. डीपी वत्स विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए। समारोह की अध्यक्षता अनिल कार्गो प्राइवेट लिमिटेड दिल्ली से एमपी शर्मा ने की। समारोह के मुख्य अतिथि विजय कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि आज सोशल मीडिया के इस दौर में समाज जिस दिशा में जा रहा है और यू ट्यूब, फेसबुक के माध्यम से जो परोसा जा रहा है उसके विरोध में आवाज उठाई जाए और समाज को संगठित किया जाए। अति विशिष्ट अतिथि डॉ. डीपी वत्स ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में होते रहने चाहिए।

हिसार। धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थिम समाज के गणमान्य व्यक्ति।

समाज का संगठित करना ही उद्देश्य

जिला ब्राह्मण सभा के प्रधान रतन लाल शर्मा ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन का उद्देश्य समाज को संगठित करना व ब्राह्मण छात्रावास की जमीन के लिए समाज को एकजुट करना है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सुमन शर्मा, विष्णु शर्मा, पूर्व प्रधान पिरथी सिंह, पूर्व प्रधान राजकुमार भारद्वाज, डीएसपी कुलदीप अत्री, नगर निगम सचिव संजय शर्मा, वरुण शर्मा, मनजीत शर्मा, जिला हिसार की सभी उपसभाओं के प्रधान तथा जिला ब्राह्मण सभा हिसार की पूरी कार्यकारिणी छाजू राम, राजेंद्र अग्निहोत्री, कुलभूषण शर्मा, शिव शंकर शर्मा, भगवत दयाल शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, सतपाल शर्मा, सज्जन शर्मा, सुंदर घिराइया, वेद गौड़, शमशेर नंबरदार, जगत शर्मा, देशबंधु, सुनील दत्त, राजेश सिसाय, गगन शर्मा व अमन कौशिक सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

दी ग्रेन मर्चेंट एसो. के प्रधान बने मांगेराम रावलवासिया

हिसार। शहर की नई अनाज मंडी रविवार को लोकतांत्रिक सरगर्मी से गुलजार रही। मंडी परिसर में चार प्रमुख संस्थाओं के चुनाव शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुए। व्यापारियों और सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। दी ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन में कुल 310 मत डाले गए। मांगेराम रावलवासिया को 144 मत प्राप्त हुए, जबकि त्रिलोकचंद कंसल को 134 वोट मिले। रोहित मोदी को 31 मत प्राप्त हुए और एक मत रद्द घोषित किया गया। परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में खुशी का माहौल बन गया। श्री सत्यनारायण शिव मंदिर ट्रस्ट के चुनाव में अनूप गोयल (न्योलीवाला) को 186 मत मिले, जबकि विजय गर्ग को 124 वोट प्राप्त हुए। मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

तीन दिवसीय सुरति योग शिविर का समापन

गहन साधना पद्धति व आंतरिक चेतना जागृत करने विधि बताई

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

समर्थगुरु धारा की ओर से कौशिक नगर स्थित समर्थगुरु धारा साधना केंद्र में आयोजित तीन दिवसीय सुरति योग साधना शिविर अत्यंत श्रद्धा, अनुशासन और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। इस शिविर में शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से अनेक साधकों ने भाग लिया और नियमित ध्यान, सत्संग एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन का लाभ प्राप्त किया। शिविर के दौरान साधकों को सुरति योग की गहन साधना पद्धति, एकाग्रता के विशेष अभ्यास तथा आंतरिक चेतना को जागृत करने की विधियों का प्रशिक्षण दिया गया। पूरे कार्यक्रम का वातावरण शांत, सकारात्मक एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा। इस अवसर पर आचार्य सुभाष, आचार्य जितेंद्र, आचार्य गगन, मां साक्षी, आचार्य कृष्ण उत्सव एवं बसंत सहित सभी आचार्यों ने विभिन्न सत्रों में साधकों का मार्गदर्शन किया। उनके प्रेरणादायक प्रवचनों और ध्यान सत्रों ने उपस्थित साधकों को आत्मिक शांति एवं साधना की गहराई का अनुभव कराया। रविवार को विशेष सामूहिक ध्यान सत्र का आयोजन किया गया।

समाज में आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाना उद्देश्य

आयोजकों ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाना और लोगों को तनावमुक्त एवं संतुलित जीवन की दिशा में प्रेरित करना है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी सेवाधारियों एवं साधकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में आयोजकों ने भविष्य में भी इस प्रकार के आध्यात्मिक शिविर नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

पारंपरिक खानपान से मजबूत बनेंगे खिलाड़ी : सुभाष बराला

उकलाना। निकटवर्ती गांव मदनपुर में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला रहे। आयोजकों और ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। सुभाष बराला ने कहा कि केवल फास्ट फूड खाने से कोई खिलाड़ी नहीं बन सकता। हमारे पारंपरिक खानपान जैसे दूध, दही, घी और घर का शुद्ध भोजन ही शरीर को ताकत और सहनशक्ति प्रदान करता है। यही आहार खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से मजबूत और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आजकल युवा पीढ़ी फास्ट फूड और उसके आकर्षक विज्ञापनों की ओर तेजी से आकर्षित हो रही है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

जातिवाद व आपसी वैमनस्य समाज को करते हैं कमजोर

भीम आर्मी हांसी के 'भाईचारा बनाओ सम्मेलन' में बहुजन समाज ने लिया एकता का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

अंबेडकर भवन एवं छात्रावास में आयोजित भीम आर्मी के 'भाईचारा बनाओ सम्मेलन' का आयोजन किया गया। सम्मेलन में हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष कमल कुमार बराड़ा मुख्य अतिथि रहे जबकि अध्यक्षता प्रदेश महासचिव संतलाल अंबेडकर, उपाध्यक्ष गोल्डी वाल्मीकि, प्रदेश सचिव शेखर रंगा, प्रदेश सचिव जुगनू मेहरा ने की।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि कमल कुमार बराड़ा ने भीम आर्मी चीफ सांसद चंद्रशेखर आजाद के विचारों का उल्लेख करते हुए बहुजन समाज की एकता, संविधान की रक्षा और लोकतंत्र को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश का संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है और किसी भी प्रकार का सामाजिक भेदभाव या दमन लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। सम्मेलन में हरियाणा के वर्तमान सामाजिक परिदृश्य पर भी चर्चा की गई। भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष बराड़ा ने कहा कि जातिवाद और आपसी वैमनस्य समाज को कमजोर करते हैं। प्रदेश महासचिव संतलाल अंबेडकर ने कहा कि भीम आर्मी का उद्देश्य किसी एक वर्ग नहीं बल्कि सर्व समाज को साथ लेकर चलना है। उन्होंने कहा कि संगठन हरियाणा के प्रत्येक जिले में 'भाईचारा बनाओ सम्मेलन' आयोजित करेगा ताकि गांव-गांव और शहर-शहर तक संविधान, समानता और सामाजिक न्याय का संदेश पहुंचाया जा सके।

हांसी। 'भाईचारा बनाओ सम्मेलन' में उपस्थित पदाधिकारी।

ये रहे मौजूद

'भाईचारा बनाओ सम्मेलन' में स्वामी चांदराम गुरु जी, भीम आर्मी प्रदेश उपाध्यक्ष गोल्डी वाल्मीकि, प्रदेश महासचिव संतलाल अंबेडकर, प्रदेश सचिव शेखर रंगा, प्रदेश सचिव जुगनू मेहरा, रिटायड कानूनगो पतराम, भीम आर्मी हरियाणा नेता प्रवीण मेहरा, वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र कटारिया, डॉ. सुधीर सातरोड, मोनू जमालपुर, रिटायर्ड प्रिंसिपल बलवान इंदौरा आदि थे।

डाबड़ा चौक फ्लाइओवर के नीचे सफाई व पेंटिंग अभियान जारी

हिसार । शहर को सुंदर, स्वच्छ और आकर्षक बनाने के संकल्प के साथ 'हमारा प्यार हिसार' की टीम ने रविवार को डाबड़ा चौक फ्लाइओवर के नीचे पिछले तीन सप्ताह से जारी पेंटिंग और सफाई अभियान को आगे बढ़ाया। टीम के सदस्यों ने फ्लाइओवर के बदरंग पिलर्स को टेराकोटा रंग से रंगकर उन्हें आकर्षक रूप प्रदान किया, जिससे पूरे क्षेत्र की सुंदरता में उल्लेखनीय सुधार हुआ। साथ ही, टीम ने आसपास के दुकानदारों से बातचीत कर यहां स्वच्छता बनाए रखने और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

शहर के आधार अस्पताल में हृदय की जानलेवा बीमारी का ऑपरेशन

एओर्टिक डिसेक्शन का तेवार तकनीक से सफल इलाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

शहर के आधार अस्पताल में क्षेत्र का पहला थोरेसिक एंडोवैस्कुलर एओर्टिक रिपेयर (तेवार) ऑपरेशन किया गया। एओर्टिक डिसेक्शन हृदय की एक जानलेवा बीमारी है, जिसमें महाधमनी (एओर्टा) की भीतरी परत में चीरा या दरार उत्पन्न हो जाती है और रक्त धमनी की दो परतों के बीच बहने लगता है। पत्रकारों से बातचीत में आधार अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. धर्म प्रकाश सारण, निदेशक डॉ. हरीश शर्मा एवं निष्चेतन विशेषज्ञ डॉ. नीरज नागर ने पत्रकार वार्ता में इलाज की जानकारी दी। डॉ. धर्म प्रकाश ने बताया कि इस केस में मरीज तीव्र सीने और पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द की शिकायत के साथ अस्पताल में भर्ती हुआ। विस्तृत जांच एवं इमेजिंग के बाद टाइप बी एओर्टिक डिसेक्शन की पुष्टि हुई। मरीज की स्थिति को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों की टीम ने आधुनिक एंडोवैस्कुलर तकनीक के माध्यम से आपरेशन करने का निर्णय लिया गया।

उन्होंने बताया कि इस जटिल प्रक्रिया को दो चरणों किया गया। जिसके प्रथम चरण में कैरोटिड सबक्लेवियन बाईपास किया गया, इसके अंतर्गत कैरोटिड धमनी से सबक्लेवियन धमनी तक एक बायपास ग्राफ्ट लगाया गया। इस कदम का उद्देश्य मस्तिष्क और बाएं हाथ की रक्त आपूर्ति को सुरक्षित बनाए रखना था। द्वितीय चरण में थोरेसिक एंडोवैस्कुलर एओर्टिक रिपेयर (तेवार) तकनीक का उपयोग किया गया। इस प्रक्रिया में एक विशेष स्टेंट ग्राफ्ट को कैथेटर के माध्यम से महाधमनी के क्षतिग्रस्त हिस्से तक पहुंचाया गया और भीतर से फटे हुए भाग को कवर कर दिया गया। इससे रक्त का असामान्य प्रवाह बंद हो गया और महाधमनी की संरचना को स्थिरता मिली। यह संपूर्ण प्रक्रिया न्यूनतम चीरे (मिनिमली इनवेसिव) द्वारा की गई, जिससे ओपन सर्जरी की आवश्यकता नहीं पड़ी। इस आधुनिक तकनीक से रक्तस्राव कम होता है, संक्रमण का खतरा घटता है, अस्पताल में भर्ती की अवधि कम रहती है तथा मरीज की रिकवरी अपेक्षाकृत काफी तेजी से होती है। विशेषकर उच्च जोखिम वाले मरीजों में पारंपरिक ओपन सर्जरी की तुलना में यह विधि अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी मानी जाती है।

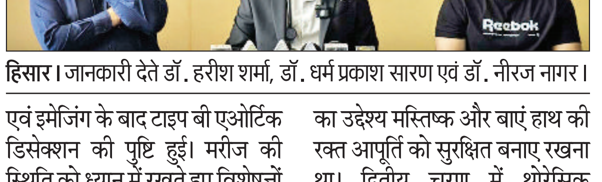
हिसार। जानकारी देते डॉ. हरीश शर्मा, डॉ. धर्म प्रकाश सारण एवं डॉ. नीरज नागर।

इन्होंने किया सर्जरी का नेतृत्व

इस सफल सर्जरी का नेतृत्व कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. धर्म प्रकाश सारण, हार्ट सर्जन डॉ. अशोक चहल एवं एनेस्थीसिया विभाग के प्रमुख डॉ. नीरज नागर ने किया। एनेस्थीसिया टीम एवं सहायक चिकित्साकर्मियों ने पूरी प्रक्रिया के दौरान उत्कृष्ट समन्वय और दक्षता का परिचय दिया। सभी विशेषज्ञों के सामूहिक प्रयास, सटीक योजना और अत्याधुनिक उपकरणों के उपयोग से ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सर्जरी के पश्चात मरीज की स्थिति स्थिर और संतोषजनक रही, उसे निरंतर निगरानी एवं चिकित्सकीय देखरेख में रखा गया। पूर्ण स्वस्थ होने के बाद मरीज को अस्पताल से कल डिस्चार्ज कर दिया गया। अस्पताल के निदेशक डॉ. हरीश शर्मा ने बताया कि यह उपलब्धि न केवल आधार अस्पताल के लिए गर्व का विषय है, अपितु क्षेत्र में उन्नत एंडोवैस्कुलर उपचार सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। संस्थान गंभीर हृदय एवं महाधमनी संबंधी रोगों के लिए आधुनिक, सुरक्षित और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। हम नवीनतम तकनीकों और विशेषज्ञता के माध्यम से मरीजों को सर्वोत्तम विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते रहेंगे।

बीड़ बबरान धाम में रंगों व इत्र से खेली जाएगी होली, दही-भल्ले व गोल-गप्पों का लगेगा भंडारा

धाम में 4 मार्च को होगा फाग महोत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

महाभारतकालीन बीड़ बबरान धाम द्वारा हिसार के सनसिटी मॉल में 21वां निशुल्क ताली कीर्तन आयोजित किया गया। इस ताली कीर्तन में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया और अपने इष्ट श्याम बाबा की आराधना की। ताली कीर्तन के लिए श्याम बाबा के दरबार को फूलों, लड़ियों, मोर पंखों व लाइट से सजाया गया। इस दौरान भक्तों को बीड़ बबरान धाम की अखंड ज्योति के दर्शन का भी मौका मिला। इस अवसर पर बीड़ बबरान धाम के महंत महाराज विनोद शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर श्याम बाबा के श्रीचरणों में समर्पित श्याम संकीर्तन का भी आयोजन किया गया। बीड़ बबरान धाम के निज पुजारी विनय शर्मा व अन्य गायकों ने श्याम बाबा की महिमा से परिचय करवाकर भावविभोर कर दिया।

हिसार। आयोजित निशुल्क ताली कीर्तन में उपस्थित श्रद्धालुगण व गायक।

बाबा श्याम के भजनों व जयकारों से गूंजा कीर्तन स्थल

बाबा के भजन सुनकर बहुत से भक्तगण झूमने व नाचने लगे और भक्तों ने कीर्तन स्थल को जय श्याम बाबा के उदघोष से गुंजायमान कर दिया। इस दौरान श्याम रसोई के माध्यम से सभी श्रद्धालुओं के लिए लंगर प्रसाद की व्यवस्था भी की गई। विनय शर्मा ने बीड़ बबरान धाम के महत्व से रूबरू करवाते हुए बताया कि धाम पर 4 मार्च को धूमधाम से फाग महोत्सव मनाया जाएगा। यह महोत्सव प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेगा।